

M. A. MARATHI SCHEME

Examination Scheme (CBCS)

Subject	Course Scheme			No. of credits	Examination Scheme					
	L	Tu tor ial	P		Maximum Marks			Minimum Passing Marks		
					ESE	IA	Total	ESE	IA	Total
Semester – I Session 2022 -2023 and onwards										
CORE – I Paper Code MAR 201 प्राचीन व मध्ययुगीन कविता	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
CORE – II Paper Code MAR 202 अर्वाचीन मराठी कविता	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 1 Paper Code MAR 203 प्राचीन मराठी गद्य	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 2 Paper Code MAR 204 लोकसाहित्य										
ELECTIVE P. 3 Paper Code MAR 205 मराठी वैचारिक साहित्य भाग – १	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 4 Paper Code MAR 206 आत्मचरित्र										
Semester - II										
CORE – I Paper Code MAR 207 वाङ्मयप्रकार – कथा	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
CORE – II Paper Code MAR 208 साहित्यशास्त्र	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 1 Paper Code MAR 209 लोकसाहित्य	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 2 Paper Code MAR 210 अर्वाचीन मराठी ललित गद्य										
ELECTIVE P. 3 Paper Code MAR 211 मराठी वैचारिक साहित्य भाग – २	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 4 Paper Code MAR 212 आत्मकथन										
Semester - III										
CORE – I Paper Code MAR 2013 वाङ्मयप्रकार – कादंबरी	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
CORE – II Paper Code MAR 214 भाषाविज्ञान	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 1 Paper Code MAR 215 नवे वाङ्मयप्रवाह – दलित साहित्य	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 2 Paper Code MAR 216 नवे वाङ्मयप्रवाह – ग्रामीण व आदिवासी साहित्य										
ELECTIVE P. 3 Paper Code MAR 217 नवे वाङ्मय प्रवाह – स्त्रियादी साहित्य	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 4 Paper Code MAR 218 नवे वाङ्मय प्रवाह – विज्ञान साहित्य										
Semester - IV										
CORE – I Paper Code MAR 219 वाङ्मयप्रकार – नाटक	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
CORE – II Paper Code MAR 220 संशोधनशास्त्र	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P.1 Paper Code MAR 221 प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (आरंभपासून १८१८ पर्यंत)	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P. 2 Paper Code MAR 222 अर्वाचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (१८१९ – २०२०)										
ELECTIVE P. 3 Paper Code MAR 223 विशेष ग्रंथकार – संत तुकाराम	4	2	-	(4+1)=5	80	20	100	32	08	40
ELECTIVE P.4 Paper Code MAR 223 विशेष ग्रंथकार – राष्ट्रियत तुकडोजी महाराज										

NOTE – L = Lecture, T = Tutorial, P = Practical, ESE = End Semester Examination, IA = Internal Assessment, (Two Core Paper and Two Elective Paper) Others- Two Hours Per Week of Assignment/ Presentation of One Credit for each Paper is Prescribed in each semester.

द्वितीय सुधारित प्रश्न

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Core Paper - 1 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 201 - प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी कविता

घटक - १ प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी कवितेचे स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी कवितेचा रचनाप्रकार

अभंग, ओवी व श्लोक स्वरूप व वैशिष्ट्ये

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) ज्ञानेश्वरी : अध्याय पहिला (महाराष्ट्र शासन प्रकाशित राजवाडे प्रत)

ब) संत जनाबाई व महदंबेचे धवळे : संपादक - सुहासिनी इलेंकर

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) नलदमयंती स्वयंवर : रघुनाथ पंडित संपादक - अ. का. प्रियोळकर

ब) ख्रिस्ताचे यातनागीत : संपादक - वि. बा. प्रभुदेसाई

संदर्भग्रंथ -

- १. महाराष्ट्र सारस्वत खंड - १ व २ - वि. ल. भावे, सुधारित आवृत्ती शं. गो. तुळपुळे
- २. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड - १ ते ७ - अ. ना. देशपांडे
- ३. महाराष्ट्रातील पाच संप्रदाय - पं. रा. मोकाशी
- ४. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप - ह. श्री. शेणोलीकर
- ५. मराठी कविता : जुनी आणि नवी - वा. ल. कुळकर्णी
- ६. संत, पंत व तंत - श्री. म. माटे
- ७. प्राचीन मराठी कवीपंचक - द. सी. पंगू
- ८. मध्ययुगीन मराठी साहित्य : एक पुनर्विचार - श्री. रं. कुळकर्णी
- ९. प्राचीन मराठीची नवधारा - रा. चिं. ढेरे

१०. मराठी आख्यान कविता

— गं. व. ग्रामोपाध्ये

११. पाच भक्तिसंप्रदाय

— र. रा. गोसावी

१२. महदंबेचे धवळे : संपादक

— मदन कुलकर्णी

१३. ख्रिस्ती मराठी वाङ्मय

— गंगाधर मोरजे

१४. महाकाव्य : स्वरूप व समीक्षा

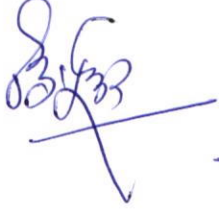



— द. भि. कुलकर्णी

१५. दृष्टीपथ

— श्याम मोहरकर

१६. आनंदाचा डोह

— रा. ग. जाधव

वि. वि. =    

द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पाझून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Core Paper - 2 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 202 - अर्वाचीन मराठी कविता

घटक - १ अर्वाचीन मराठी कवितेची संकल्पना, प्रेरणा, उगम, स्वरूप, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) हरपले श्रेय (केशवसुतांची निवडक कविता) - संपादक - रा. श्री. जोग

ब) मर्हेकरांची कविता - वा. सी. मर्हेकर

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) सनद - नारायण सुर्वे

ब) आणि शेवटी काय झाले? - लोकनाथ यशवंत

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

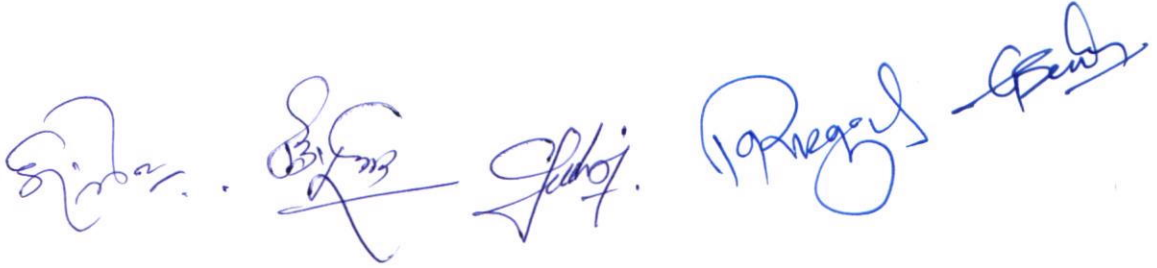
अ) पानझड - ना. धों. महानोर

ब) रान जखमांचे गोंदण - कुसूम अलाम

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|-----------------------------------|
| १. कविता : संकल्पना, निर्मिती आणि समीक्षा | - वसंत पाटणकर |
| २. मराठी कविता : स्वरूप आणि विवेचन | - निशिकांत ठकार |
| ३. मराठी कविता आणि आधुनिकता | - यशवंत मनोहर |
| ४. अर्वाचीन मराठी काव्यदर्शन | - अक्षयकुमार काळे |
| ५. कविता आणि प्रतिमा | - सुधीर रसाळ |
| ६. रसग्रहण : कला आणि स्वरूप | - गो. म. कुलकर्णी |
| ७. मराठी काव्याचे मानदंड भाग - १ व २ | - स. रा. गाडगीळ |
| ८. कवितेविषयी | - वसंत आबाजी डहाके |
| ९. केशवसुत समीक्षा | - संपा. नाडकर्णी / कामत व इतर |
| १०. निवडक मराठी समीक्षा | - गो. मा. पवार/ म. द. हातकणंगलेकर |
| ११. स्वातंत्र्योत्तर मराठी कविता | - सुषमा करोगल |

- | | |
|---|-------------------------|
| १२. मर्हेकरांची कविता : एक अभ्यास | — धों. वि. देशपांडे |
| १३. मर्हेकरांची कविता : आकलन, आस्वाद आणि चिकित्सा | — अक्षयकुमार काळे |
| १४. मर्हेकरांची कविता : स्वरूप आणि संदर्भ खंड — १ व २ | — विजया राजाध्यक्ष |
| १५. दलित साहित्य : एक अभ्यास | — अर्जुन डांगळे |
| १६. दलित साहित्याचे निराळेपण | — प्रभाकर मांडे |
| १७. दलित कविता | — म. सु. पाटील |
| १८. दलित साहित्य : एक आकलन | — बाळकृष्ण कवठेकर |
| १९. शतकातील आदिवासी कविता | — विनायक तुमराम |
| २०. आदिवासी साहित्य : स्वरूप व समीक्षा | — विनायक तुमराम |
| २१. यशवंत कविता लोकनाथची | — संपा. मेघमाला मेश्राम |



द्वितीय सुधारित प्रत

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Elective Paper -1 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 203 - प्राचीन मराठी गद्य

घटक - १ मराठी गद्य : संकल्पना, उगम, स्वरूप, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) गोविंदप्रभुचरित्र : संपादक - वि. भि. कोलते

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) लीळाचरित्र एकांक : संपादक - मदन कुलकर्णी

ब) दृष्टांतपाठ : संपादक - वि. भि. कोलते

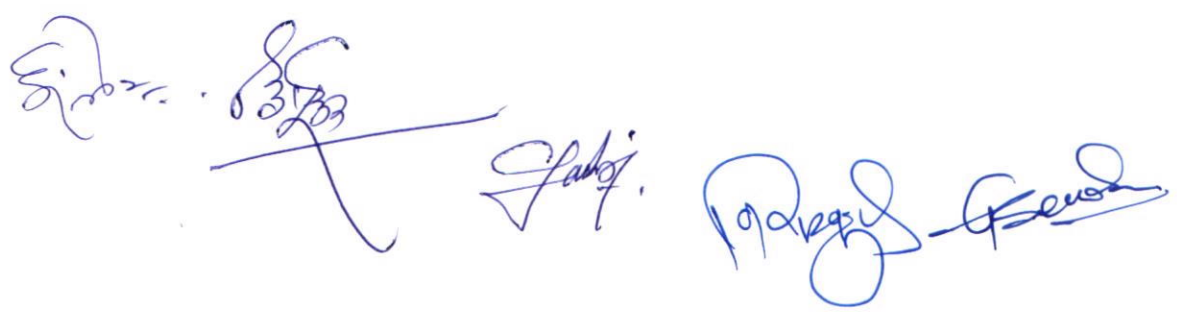
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) सभासदाची बखर : संपादक - र. वि. हेरवाडकर

ब) आज्ञापत्र : संपादक - विलास खोले

संदर्भग्रंथ:

- | | |
|--|--------------------------------|
| १. प्राचीन मराठी गद्य : प्रेरणा व परंपरा | - श्री. रं. कुलकर्णी |
| २. महानुभाव पंथ आणि त्यांचे वाङ्मय | - शं. गो. तुळपुळे |
| ३. महानुभावीय मराठी वाङ्मय | - य. खु. देशपांडे |
| ४. महानुभाव साहित्य : शोधसंचार | - अविनाश आवलगावकर |
| ५. प्राचीन मराठीतील चरित्रलेखन | - वसंत बोरगावकर |
| ६. मराठी वाङ्मयकोश (आरंभापासून १९२०पर्यंत) | - संपा. वसंत आबाजी डहाके व इतर |
| ७. मराठी बखर वाङ्मय | - र. वि. हेरवाडकर |
| ८. बखर वाङ्मय : उद्गम आणि विकास | - बापुजी सकपाळ |
| ९. मराठी बखर गद्य | - गं. व. ग्रामोपाध्ये |
| १०. महानुभावांची अक्षरलेणी : संपादक | - राजेन्द्र वाटाणे |



द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पाझून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Elective Paper - 2 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 204 - लोकसाहित्य

घटक - १ लोकसाहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, परंपरा आणि वैशिष्ट्ये

लोकसाहित्याचे प्रयोजन

लोकसाहित्य आणि संतसाहित्य

लोकसाहित्य आणि ललितसाहित्य

लोकसाहित्य आणि मानववंशशास्त्र

लोकसाहित्य आणि मानसशास्त्र

लोकसाहित्य आणि समाजशास्त्र

लोकसाहित्य आणि भाषाशास्त्र

घटक - २ मौखिक व लिखित लोकसाहित्य

अ) लोककथा : संकल्पना, प्रेरणा, स्वरूप व उत्पत्तीसंबंधी विचार

लोककथांचे वर्गीकरण, प्रकार व मौखिक परंपरा

लोककथा : परंपरा व परिवर्तन

ब) लोकगीते : संकल्पना, स्वरूप, प्रेरणा, वर्गीकरण व मौखिक परंपरा

लोकगीते आणि बोलीभाषा

लोकगीतांची रचना व परंपरा

लोकगीतांचे विशेष आणि वाङ्मयीन मूल्ये

लोकगीते व संतकवींची कविता (ओवी, अभंग, भारूड, गवळणी)

घटक - ३ लोकसाहित्यातून आविष्कृत झालेले लोकजीवन

लोकसाहित्यातून आविष्कृत झालेले समाजजीवन

लोकसाहित्यातून व्यक्त होणारे स्त्रीजीवन

लोकसाहित्य आणि लोकजीवन

लोकसाहित्यातून घडणारे लोकसंस्कृतीचे दर्शन

(Handwritten signatures and marks)

घटक - ४ लोकसाहित्यातील आस्वाद्यता

लोकसाहित्यातील भाषा, प्रतिमा आणि संकेत

लोकसमजुतीचे वर्गीकरण

लोकसाहित्याची मूलतत्त्वे

लोकसाहित्याची व्यापकता व सर्वसमावेशकता

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|----------------------------------|
| १. लोकसाहित्याचे स्वरूप | - प्रभाकर मांडे |
| २. लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती | - सरोजिनी बाबर |
| ३. मराठी लोककथा: स्वरूपमीमांसा | - वैदेही कोळेकर |
| ४. लोकसाहित्याची रूपरेषा | - दुर्गा भागवत |
| ५. लोकप्रतिभा आणि लोकतत्त्वे | - मधुकर वाकोडे |
| ६. लोकसाहित्य : शोध आणि समीक्षा | - रा. चिं. ढेरे |
| ७. लोकसाहित्य : भाषा आणि संस्कृती | - सरोजिनी बाबर |
| ८. लोकसाहित्य : एक स्वतंत्र अभ्यासक्षेत्र | - गंगाधर मोरजे |
| ९. लोकसाहित्य: बदलते संदर्भ, बदलती रूपे | - गंगाधर मोरजे |
| १०. लोकवाङ्मयशास्त्र | - गंगाधर मोरजे. |
| ११. लोक साहित्यसंशोधन पद्धती | - अनिल सहस्त्रबुद्धे |
| १२. लोकसाहित्य दीप | - शरयु तायवाडे, राजेन्द्र वाटाणे |
| १३. लोकरंगभूमी | - प्रभाकर मांडे |
| १४. खडी गंमत : विदर्भाचे लोकलेणे | - डॉ. हरिश्चंद्र बोरकर |
| १५. मराठीचे लोकनाट्य : तमाशा, कला आणि साहित्य | - डॉ. नामदेव व्हटकर |
| १६. संजोरी | - धनराज खानोरकर |
| १७. शब्दयोगी डॉ. हरिश्चंद्र बोरकर समग्र साहित्य दर्शन | - नरेंद्र आरेकर |

द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Elective Paper - 3 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ३

Paper Code: MAR 205 - मराठी वैचारिक साहित्य भाग - १

घटक - १ मराठी वैचारिक साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

- अ) लोकहितवादींचे शतपत्रे - संपा. पु. ग. सहस्त्रबुद्धे (लेख क्र. १ ते १०)
- ब) प्रबोधनाचा पूर्व्रंग : संपा. ल. रा. नसिराबादकर (प्रकरण, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८)

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

- अ) लोकमान्य टिळक यांचे निवडक निबंध : संपादक - राम शेवाळकर (लेख क्र. १,३,५, ९, १०, ११, १२, १३)
- ब) आगरकर लेखसंग्रह : संपादक - ग. प्र. प्रधान (विभाग २ व ३)

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

- अ) स्त्री-पुरुष तुलना : संपा. - विलास खोले
- ब) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांचे बहिष्कृत भारतातील अग्रलेख : संपा. - रत्नाकर गणवीर (लेख क्र. १३ ते १९)

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|---|
| १. निबंध : शास्त्र व कला | - प्र. न. जोशी |
| २. महात्मा फुले : शोधाच्या नव्या दिशा | - संपादक : हरी नरके |
| ३. महात्मा फुले : समग्र वाङ्मय - संपादक | - य. दी. फडके |
| ४. महात्मा फुले : व्यक्तित्व आणि विचार | - गं. बा. सरदार |
| ५. मराठी निबंध - लघुनिबंध : स्वरूप व विवेचन | - वि. पां. देउळगावकर/ चंद्रकांत देउळगावकर |
| ६. आधुनिक मराठी गद्याचा पायाभूत अभ्यास | - संपा. वासुदेव मुलाटे व इतर |
| ७. प्रदक्षिणा : खंड - १ व २ संपादक | - अनिरुद्ध कुळकर्णी |
| ८. आगरकरांचा सामाजिक तत्वविचार | - गं. बा. सरदार |
| ९. आगरकर | - य. दी. फडके |
| १०. सुर्यबिंबाचा शोध | - संपा. विलास खोले |
| ११. डॉ. आंबेडकरांचे समाजचिंतन | - भालचंद्र फडके |
| १२. फुले-आंबेडकर : शोध आणि बोध | - भालचंद्र फडके |



- | | |
|---|-------------------|
| १३. पत्रकार डॉ. आंबेडकर | — गंगाधर पानतावणे |
| १४. टिळक विचार | — भा. कृ. केळकर |
| १५. लोकमान्य टिळक | — ग. प्र. प्रधान |
| १६. कर्मयोगी लोकमान्य | — सदानंद मोरे |
| १७. वैचारिक निबंधाची परिक्रमा | — विजया गेडाम |
| १८. बहिष्कृत भारतातील विचारविश्व | — विजया गेडाम |
| १९. वेध : एका युगसाक्षी प्रतिभेचा (डॉ. यशवंत मनोहर गौरवग्रंथ) | — अनमोल शेंडे |

वि. कृ. केळकर, ग. प्र. प्रधान, सदानंद मोरे, विजया गेडाम, अनमोल शेंडे

द्वितीय सुधारित प्रत

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - पहिले

Elective Paper - 4 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ४

Paper Code : MAR 206 - वाङ्मयप्रकार : आत्मचरित्र

घटक - १ आत्मचरित्र : एक वाङ्मय प्रकार - संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) अग्नीपंख - डॉ. ए.पी. जे अब्दूल कलाम (अनुवादक : माधुरी शानभाग)

ब) मन में है विश्वास - विश्वास नांगरे पाटील

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) मी वनवासी - सिंधूताई सपकाळ

ब) सांगत्ये ऐका - हंसा वाडकर

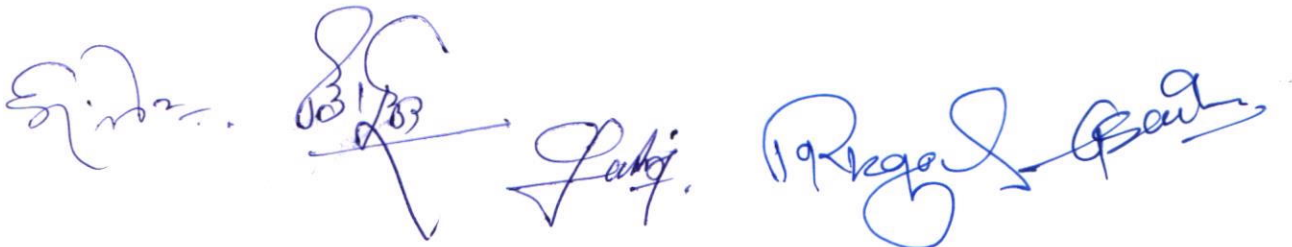
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) बॅरिस्टरचं कार्ट - हिंमतराव बावस्कर

ब) प्रकाशवाटा - प्रकाश आमटे

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|--|-------------------------|
| १. चरित्र-आत्मचरित्र | - सदा कन्हाडे |
| २. मराठीतील स्त्री आत्मचरित्र | - श्रुती वडगबाळकर |
| ३. आंबेडकरी स्वकथने | - अनिल सूर्या |
| ४. आमचा बाप आणि आम्ही | - संपा. शैलेश त्रिभुवन |
| ५. चरित्र - आत्मचरित्र | - अ. म. जोशी |
| ६. स्त्री आत्मकथन | - संपा. चंद्रकुमार नलगे |
| ७. चरित्र-आत्मचरित्र | - जान्हवी संत |
| ८. आत्मचरित्र मीमांसा | - आनंद यादव |
| ९. दलित स्त्री आत्मकथने | - श्यामल गरूड |
| १०. आंबेडकरवादी मराठी साहित्य | - मनोहर यशवंत |
| ११. साहित्यस्वाद | - त्रिभुवन शैलेश, |
| १२. ललित २०१३ चरित्र आत्मचरित्र विशेषांक | |



द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Core Paper - 1 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 207 - वाङ्मयप्रकार : कथा

घटक - १ कथा : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

कथेचे रचनाप्रकार : लघुकथा व दीर्घकथा

कथेचे प्रकार : स्फुटकथा, बोधकथा, रूपककथा, प्राक्कथा, मिथक इत्यादी

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) काळी माती - व्यंकटेश माडगुळकर

ब) सांजवात - जी. ए. कुलकर्णी

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) आलोक - आसाराम लोमटे

ब) मरणकळा - भास्कर चंदनशीव

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) अकसिदीचे दाणे - प्रतिमा इंगोले

ब) चौथी भिंत - उर्मिला पवार

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|-------------------------------------|---------------------------|
| १. मराठी कथा : स्वरूप आणि आस्वाद | - दा. वी. कुळकर्णी |
| २. वाङ्मयातील वादस्थळे | - वा. ल. कुळकर्णी |
| ३. साहित्य : स्वरूप आणि समीक्षा | - वा. ल. कुळकर्णी |
| ४. साहित्य शोध आणि बोध | - वा. ल. कुळकर्णी |
| ५. प्रदक्षिणा : खंड - १ व २ | - संपा. अनिरुध्द कुलकर्णी |
| ६. दलित साहित्य : वेदना आणि विद्रोह | - डॉ. भालचंद्र फडके |
| ७. दलित साहित्य : एक अभ्यास | - अर्जुन डांगळे |
| ८. ग्रामीण कथा : स्वरूप आणि विकास | - वासुदेव मुलाटे |
| ९. लघुकथा लेखन : मंत्र आणि तंत्र | - ना. सी. फडके |

(Handwritten signatures and marks)



१०. ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि समस्या

- आनंद यादव

११. तिसऱ्या पिढीची ग्रामीण कथा

- आनंद यादव

१२. मराठी कथा : उगम आणि विकास

- इंदुमती शेवडे

१०. ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि समस्या
११. तिसऱ्या पिढीची ग्रामीण कथा
१२. मराठी कथा : उगम आणि विकास

द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक

क सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Core Paper - 2 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 208 - साहित्यशास्त्र

घटक - १ साहित्यशास्त्राचे स्वरूप

साहित्यशास्त्र म्हणजे काय?

साहित्य म्हणजे काय?

साहित्याचे प्रयोजन

साहित्याची निर्मितीप्रक्रिया

साहित्याची आस्वादप्रक्रिया

घटक - २ पाश्चात्य साहित्यशास्त्राचे स्वरूप

अनुकृतीचा सिद्धांत

कॅथार्सिस

शैलीविज्ञान

फ्राईडची मानसशास्त्रीय समीक्षा

इमॅन्युअल कांट यांची सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा

मार्क्सवादी समीक्षा

घटक - ३ भारतीय साहित्यशास्त्र : रससंकल्पना आणि सिद्धांत

रसविचार, रसांची संख्या, रसनिष्पत्ती, रसविघ्ने

आनंदवर्धनाचा ध्वनीविचार (ध्वनी काव्याचा आत्मा)

वामनाचा रीतीविचार (रीतीरात्मा काव्यस्यः)

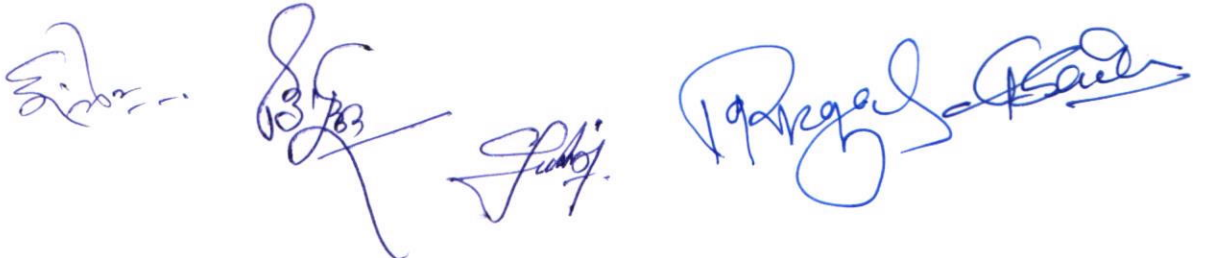
मराठीचे साहित्यशास्त्र

घटक - ४ अर्वाचीन साहित्य समीक्षा

महेंकरांचा सौंदर्यविचार, लयतत्व आणि वाङ्मयीन महात्मता

मुक्तिबोधांचा माणुषतेचा सिद्धांत

द. ग. गोडसे यांचा पोतविचार



आंबेडकरवादी समीक्षा

स्त्रीवादी समीक्षा

समाजशास्त्रीय समीक्षा

जीवनवादी समीक्षा

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|-----------------------|
| १. अँरिस्टॉटलचे काव्यशास्त्र | - गो. वि. करंदीकर |
| २. सौंदर्यमीमांसा | - रा. भा. पाटणकर |
| ३. नवे साहित्यशास्त्र | - यशवंत मनोहर |
| ४. सौंदर्य आणि साहित्य | - वा. सी. मर्हेकर |
| ५. मराठीचे साहित्यशास्त्र | - मा. गो. देशमुख |
| ६. परंपरा आणि नवता | - गो. वि. करंदीकर |
| ७. सृष्टी, सौंदर्य आणि साहित्यमूल्ये | - शरच्चंद्र मुक्तिबोध |
| ८. पोत | - द. ग. गोडसे |
| ९. मर्हेकरांची सौंदर्यमीमांसा | - प्रभाकर पाध्ये |
| १०. साहित्यशास्त्र: स्वरूप आणि समस्या | - वसंत पाटणकर |
| ११. मर्हेकरांचे सौंदर्यशास्त्र: पुनःस्थापना | - द. भि. कुळकर्णी |
| १२. भारतीय साहित्यशास्त्र | - ग. ज्यं. देशपांडे |
| १३. काव्यशास्त्रप्रदीप | - स. रा. गाडगीळ |
| १४. सौंदर्यानुभव | - प्रभाकर पाध्ये |
| १५. मुक्तीबोधांचे साहित्य | - वसंत पाटणकर |



द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Elective Paper - 1 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 209 - लोकसाहित्य

घटक - १ मराठी लोकसाहित्य : परंपरा व स्वरूप

लोकसाहित्याच्या अभ्यासाची भारतीय परंपरा

प्राचीन परंपरा व आधुनिक काळातील प्रयत्न

मराठी लोकसाहित्याच्या अभ्यासाची परंपरा

लोकसाहित्य अभ्यासाच्या पद्धती : लोकतत्त्वीय अध्ययन पद्धती, आधिबंधात्मक अध्ययन पद्धती

घटक - २ लोकसाहित्याचे जागतिक अभ्यासक्षेत्र

लोकसाहित्याच्या अभ्यासाचे विविध संप्रदाय

लोकसाहित्याच्या अभ्यासाची वाटचाल व महत्त्व

लोकसाहित्याच्या अभ्यासकांचे संशोधन कार्य

१) दुर्गा भागवत, सरोजिनी बाबर, तारा भवाळकर

२) रा. चिं. ढेरे, प्रभाकर मांडे, शरद व्यवहारे

घटक - ३ लोकदैवते स्वरूप व प्रकार

लोकदैवते : श्रद्धा व परंपरा

लोकनाट्य : स्वरूप व परंपरा

लोकनाट्य : परंपरा व परिवर्तन

लोकनाट्य : वैशिष्ट्ये व वेगळेपण (लळीत, भजन, भागवतमेळा, नाटक, कीर्तन, भारूळ, प्रवचन, पुरान, लावणी,

दशावतार, बहुरूपी)

घटक - ४ झाडीपट्टीतील लोकशाहीरांचे योगदान - कन्हैया नन्हू, गरिबा, मधू बान्ते, बुधा भेलावे,

परशराम परसोडीवाले, महादेव उरकुडे, अंबादास नागदेवे, कृष्णा हजारे, उत्तम शाहीर

झाडीपट्टीतील लोककला - दंडार, गोंधळ, खडी गंमत, डहाका, आवेडकरी जलसे, तुंबडी, तमाशा

Handwritten signatures and dates in blue ink at the bottom of the page.

संदर्भग्रंथ —

- | | |
|---|----------------------------------|
| १. लोकरंगभूमी | — प्रभाकर मांडे |
| २. लोकरंजनाची पारंपरिक माध्यमे | — शरद व्यवहारे |
| ३. मराठी लोककथा | — मधुकर वाकोडे |
| ४. लोकप्रतिभा आणि लोकतत्वे | — मधुकर वाकोडे |
| ५. लोकनाट्याची परंपरा | — वि. कृ. जोशी |
| ६. लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती | — सरोजीनी बाबर |
| ७. लोकनागर रंगभूमी | — तारा भवाळकर |
| ८. मराठीचे लोकनाट्य : तमाशा, कला आणि साहित्य | — नामदेव व्हटकर |
| ९. झाडीपट्टीची लोकरंगभूमी | — हरिश्चंद्र बोरकर |
| १०. झाडीपट्टीची दंडार | — हरिश्चंद्र बोरकर |
| ११. लुप्तप्राय लोकाविष्कार | — हरिश्चंद्र बोरकर |
| १२. खडीगंमत : विदर्भाचे लोकलेणे | — हरिश्चंद्र बोरकर |
| १३. मराठी तमाशा | — नामदेव व्हटकर |
| १४. लोककला | — धोंडीराम वाडकर |
| १५. लोकनाट्य : उद्गम आणि विकास | — पुरुषोत्तम काळभूत |
| १६. धर्म आणि लोकसाहित्य | — दुर्गा भागवत |
| १७. शब्दयोगी डॉ. हरिश्चंद्र बोरकर समग्र साहित्य दर्शन | — नरेंद्र आरेकर |
| १८. लोकसाहित्य दीप | — शरयु तायवाडे, राजेन्द्र वाटाणे |

डॉ. हरिश्चंद्र बोरकर
३१/३३
Gahaj

११/१२/२३
Gahaj

द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Elective Paper - 2 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code: MAR 210 - अर्वाचीन मराठी ललित गद्य

घटक - १ अर्वाचीन मराठी ललित गद्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ - ललित लेखसंग्रह

अ) खेळीमेळी - रा. ग. जाधव

ब) चित्तस्पर्शी - शि. गो. देशपांडे

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) स्पर्शाची पालवी - गो. वि. करंदीकर

ब) परिक्रमा - गंगाधर पाणतावणे

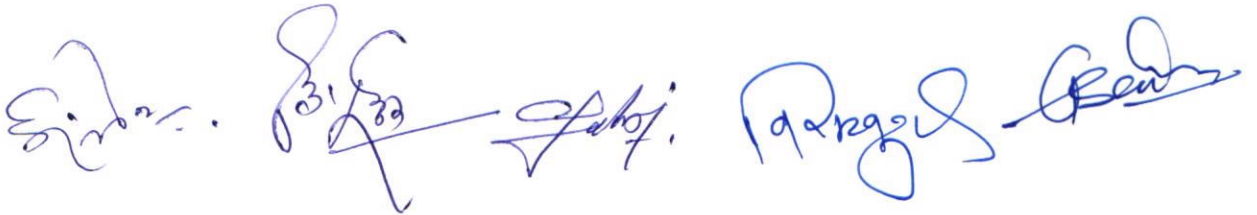
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) पक्षी जाय दिगंतरा - मारूती चितमपल्ली

ब) वाच्याने हलते रान - ग्रेस

संदर्भग्रंथ -

- १. आधुनिक मराठी गद्याचा पायाभूत अभ्यास - संपा. वासुदेव मुलाटे व इतर
- २. मराठी निबंध - लघुनिबंध : स्वरूप विवेचन - वि. पां. देउळगावकर व चंद्रकांत देउळगावकर
- ३. प्रदक्षिणा : खंड - १ व २ संपादक - अनिरुध्द कुलकर्णी
- ४. मराठी लघुनिबंधाचा इतिहास - आनंद यादव
- ५. अर्वाचीन मराठी गद्याची पूर्वपीठिका - गं. बा. सरदार



द्वितीय सुधारित प्रश्न

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Elective Paper - 3 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका

Paper Code : MAR 211 - मराठी वैचारिक साहित्य भाग - २

घटक - १ मराठी वैचारिक साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) प्रबोधनकार ठाकरे - समग्र वाङ्मय खंड - १ (प्रकरण १३, १४, १५, १६, १७, १८, २१)

ब) सावरकरांचे निवडक निबंध - संपा. प्र. न. जोशी

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ-

अ) प्रबोधनातील पाऊलखुणा - गं. बा. सरदार

ब) संघर्ष आणि शहापण - नरेंद्र चपळगावकर

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) भारताचे क्रांती संविधान - यशवंत मनोहर

ब) आदिवासी अस्मितेचा शोध - माधव सरकुंडे

संदर्भग्रंथ -

- १. निबंध : शास्त्र व कला - प्र. न. जोशी
- २. मराठी निबंध लघुनिबंध: स्वरूपविवेचन - वि. पां. देउळगावकर व चंद्रकांत देउळगावकर
- ३. प्रदक्षिणा : खंड - १ व २ संपादक - अनिरुध्द कुलकर्णी
- ४. मराठी लघुनिबंधाचा इतिहास - आनंद यादव
- ५. अर्वाचीन मराठी गद्याची पूर्वपीठिका - गं. बा. सरदार
- ६. आधुनिक मराठी गद्याचा पायाभूत अभ्यास - संपा. वासुदेव मुलाटे व इतर
- ७. डॉ. आंबेडकरांचे समाजचिंतन - भालचंद्र फडके
- ८. पत्रकार डॉ. आंबेडकर - गंगाधर पानतावणे
- ९. गंगाधर बाळकृष्ण सरदार - हे. वी. इनामदार
- १०. मराठी वैचारिक निबंधाची परिक्रमा - विजया गेडाम

११.

Handwritten signatures and marks at the bottom of the page.

द्वितीय सुधारित : रत

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२२ - २०२३ पासून पुढे

एम. ए. भाग - १ सत्र - दुसरे

Elective Paper - 4 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ४

Paper Code: MAR 212 - वाङ्मयप्रकार : आत्मकथन

घटक - १ आत्मकथन : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) उपरा - लक्ष्मण माने

ब) कोल्हाट्याचं पोर - किशोर शांताबाई काळे

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) बाप्तिस्मा ते धर्मांतर - इसादास भडके

ब) आकांत - बाबाराव मडावी

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) अंतःस्फोट - कुमुद पावडे

ब) मरणकळा - जनाबाई गिन्हे

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|--|---|
| १. आंबेडकरवाद : तत्त्वे आणि व्यवहार | - रावसाहेब कसबे |
| २. आंबेडकरवाद | - रावसाहेब कसबे |
| ३. आठवणींचे पक्षी : एक चिकित्सक अभ्यास | - कमलाकर कांबळे |
| ४. दलित स्वकथने : साहित्यरूप | - आरती कुलकर्णी |
| ५. दलित आत्मकथने : चिंतन आणि चर्चा | - संपा. केदार रविंद्र, ढोले गोपाल |
| ६. दलित आत्मकथने भाषिक समाज : भाषा आणि भाषाव्यवहार | - संपत गायकवाड |
| ७. दलित स्त्री आत्मकथने | - श्यामल गरूड |
| ८. प्रवर्धित | - संपा. रंजित वानखेडे, मेघमाला मुश्राम, संजय लाटेलवार |
| ९. दलित स्त्रीच्या दुःखाची कहाणी | - विलास जाधव |
| १०. बाप्तिस्मा ते धर्मांतर : एक मन्वंतर | - संजय लाटेलवार |
| ११. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर आणि दलित आत्मकथने | - संजय लाटेलवार |
| १२. घराणं तमासगिराचं | - शशिकांत तासगावकर |

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३ - २०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र - तिसरे

Core Paper - 1 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code: MAR 213 - वाङ्मयप्रकार : कादंबरी

घटक - १ कादंबरी : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) अमृतवेल - वि. स. खांडेकर

ब) अस्वस्थ नायक - उत्तम कांबळे

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) पाचोळा - रा. रं. बोराडे

ब) मुन्नी - अरुणा सबाणे


घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) फेसाटी - नवनाथ गोरे

ब) टिश्यु पेपर - रमेश रावळकर

संदर्भग्रंथ -

१. धार आणि काठ - नरहर कुरुंदकर
२. मराठी कादंबरी तंत्र आणि विकास - बापट/गोडबोले
३. कादंबरी - ल. ग. जोग
४. मराठी कादंबरीचे पहिले शतक - कुसुमावती देशपांडे
५. मराठी कादंबरीची वाटचाल - संपा. पंडित कुलकर्णी
६. ग्रामीण साहित्य : चिंतन आणि चर्चा - वासुदेव मुलाटे
७. ग्रामीण साहित्य : प्रेरणा व योजना - श्रीराम गुंदेकर
८. ग्रामीण साहित्य आणि संस्कृती - मोहन पाटील
९. मराठी ग्रामीण कादंबरी - रविंद्र ठाकूर
१०. मराठी कादंबरी : नव्या दिशा - किशोर सानप
११. सामाजिक कादंबरी : संकल्पना व स्वरूप - गणेश चुदरी

 03/03/23



एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३ - २०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र - तिसरे

Core Paper - 1 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 214 - भाषाविज्ञान

घटक - १ भाषाविज्ञान : संकल्पना, मानवी भाषेचे स्वरूप, लक्षणे आणि वैशिष्ट्ये

मराठी भाषेचा उत्पत्तीकाल ठरविण्याची साधने

मराठी भाषेची पूर्वपीठिका

मराठीच्या भाषाशास्त्रीय अभ्यासाचा इतिहास

घटक - २ स्वनिमविन्यास : स्वन - स्वनिम - स्वनांतर, मराठीचा स्वनिमविचार

पदिमविन्यास : पद - पदिम - पदांतर, पदिमविन्यासाची प्रक्रिया

घटक - ३ मराठीचा ध्वनीविचार

मराठीचा अर्थविचार

मराठीचे कालिक भेद

मराठीचे प्रादेशिक भेद

घटक - ४ भाषाभ्यासाच्या पद्धती

अ) ऐतिहासिक पद्धती

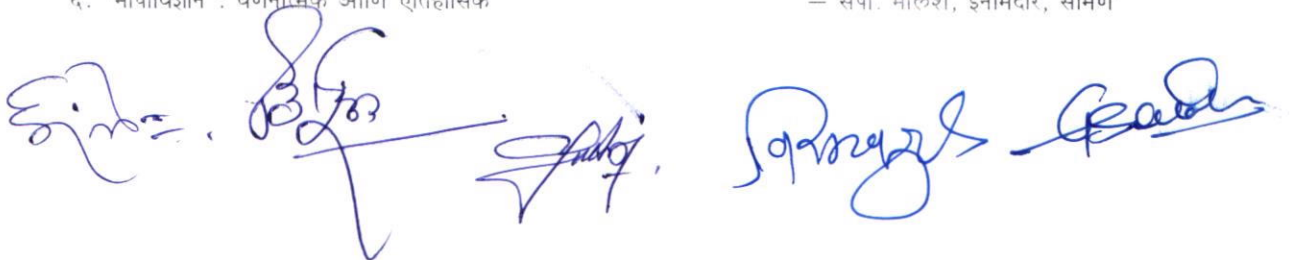
ब) वर्णनात्मक पद्धती

क) तौलनिक पद्धती

ड) मराठीच्या प्रमाणभाषा व बोली भाषा

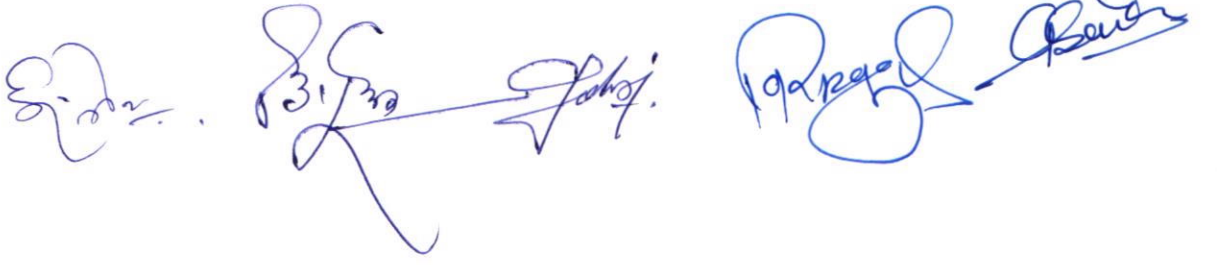
संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|--|
| १. आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोग | - मिलिंद मालशे |
| २. भाषा, इतिहास व भूगोल | - ना. गो. कालेलकर |
| ३. भाषा आणि भाषाशास्त्र | - श्री. त. गजेंद्रगडकर |
| ४. भाषाविज्ञान परिचय | - स. गं. मालशे, द. दि. पुंडे, अंजली सोमण |
| ५. आधुनिक भाषाविज्ञान (संरचनावादी, सामान्य आणि सामाजिक) | - कल्याण काळे, अंजली सोमण |
| ६. भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक | - संपा. मालशे, इनामदार, सोमण |



७. मराठी भाषा : उद्गम आणि विकास
८. मराठीचे वर्णनात्मक भाषाविज्ञान
९. भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा
१०. भाषा आणि संस्कृती
११. झाडीबोली
१२. नागपूरी बोली
१३. चिंतनाचा समुद्र
१४. भाषाचिंतन

- कृ. पां. कुलकर्णी
- महेंद्र कदम
- अनिल गवळी
- ना. गो. कालेलकर
- हरिश्चंद्र बोरकर
- वसंतकृष्ण वऱ्हाडपांडे
- केशव देशमुख
- केशव देशमुख



एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३ - २०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र - तिसरे

Elective Paper - 1 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 215 - नवे वाङ्मयप्रवाह : दलित साहित्य

घटक - १ दलित साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

दलित साहित्याची सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) सुरूंग (कवितासंग्रह) - त्र्यंबक सपकाळे

ब) फिर्याद (कवितासंग्रह) - हिरा बन्सोडे

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) पोखरण (कादंबरी) - केशव मेश्राम

ब) निळ्या डोळ्यांची मुलगी (कादंबरी) - शिल्पा कांबळे

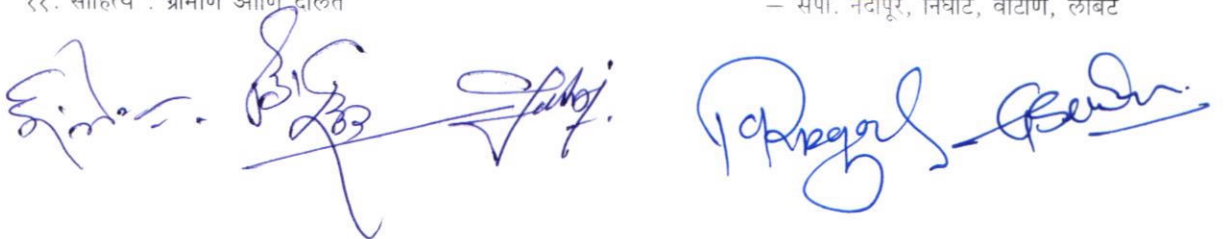
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) वाटा-पळवाटा (नाटक) - दत्ता भगत

ब) अंधार पाहिलेला माणूस (नाटक) - सतिश पावडे

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---------------------------------------|--|
| १. दलित साहित्य : वेदना आणि विद्रोह | - भालचंद्र फडके |
| २. दलित साहित्य : सिध्दांत आणि स्वरूप | - यशवंत मनोहर |
| ३. दलित साहित्य : आजचे क्रांतीविज्ञान | - भालचंद्र फडके |
| ४. दलित कविता | - म. सु. पाटील |
| ५. निळी पहाट | - रा. ग. जाधव |
| ६. दलितांची आत्मकथने | - वासुदेव मुलाटे |
| ७. दलित रंगभुमी | - भालचंद्र फडके |
| ८. दलित कथा : उद्गम आणि विकास | - प्रकाश खरात |
| ९. दलित साहित्य : उद्गम आणि विकास | - योगेन्द्र मेश्राम |
| १०. आंबेडकरवादी मराठी साहित्य | - यशवंत मनोहर |
| ११. साहित्य : ग्रामीण आणि दलित | - संपा. नंदापूर, निघोटे, वाटाणे, लांबट |



एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३ - २०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र - तिसरे

Elective Paper - 2 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 216 - नवे वाङ्मयप्रवाह : ग्रामीण व आदिवासी साहित्य

घटक - १ ग्रामीण साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

ग्रामीण साहित्याची सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी

घटक - २ आदिवासी साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

आदिवासी साहित्याची सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) तहान (कादंबरी) - सदानंद देशमुख

ब) कोयतुर (कादंबरी) - विनोद कुमरे

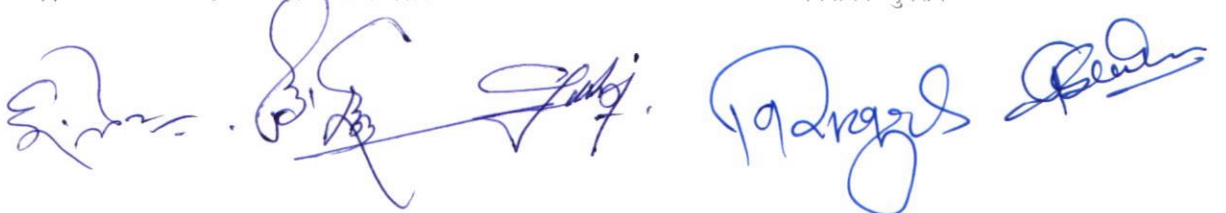
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) काया मातीत मातीत (कवितासंग्रह) - विठ्ठल वाघ

ब) निवडुंगाला आलेली फुले (कवितासंग्रह) - प्रभु राजगडकर

संदर्भग्रंथ -

१. ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि समस्या - आनंद यादव
२. ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि शोध - नागनाथ कोल्तापल्ले
३. ग्रामीण साहित्य : एक चिंतन - द. ता. भोसले
४. ग्रामीण वाङ्मयाचा इतिहास - चंद्रकुमार नलगे
५. मराठी प्रादेशिक कादंबरी : तंत्र आणि स्वरूप - मदन कुळकर्णी
६. आदिवासी साहित्य : स्वरूप आणि समस्या - विनायक तुमराम
७. वायदान - आदिवासी साहित्य संमेलन विशेषांक
८. आदिवासी साहित्य : चिंतन आणि चिकित्सा - तुकाराम रोंगटे
९. आदिवासी संस्कृती आणि चळवळ - वाहरू सोनवणे
१०. आदिवासी साहित्य : एक अभ्यास - ज्ञानेश्वर वालेकर
११. आदिवासी साहित्य : दिग्गम आणि दर्शन - विनायक तुमराम



एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३-२०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र तिसरे

Elective Paper - 3 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ३

Paper Code : MAR 217 - नवे वाङ्मय प्रवाह : स्त्रीवादी साहित्य

घटक १ : स्त्रीवादी साहित्यप्रवाह : संकल्पना , स्वरूप, उगम, विकास व वैशिष्ट्ये

स्त्रीवादी साहित्य : सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी

घटक २- अभ्यासग्रंथ

अ) विदेही (कथासंग्रह) - विजया राजाध्यक्ष

ब) असंही... (कथासंग्रह) - प्रिया तेंडूलकर

घटक ३-अभ्यासग्रंथ

अ) दुस्तर हा घाट (कादंबरी) - गौरी देशपांडे

ब) भूमी - आशा बगे

घटक ४-अभ्यासग्रंथ

अ) पुन्हा दीर्घकविता (कवितासंग्रह) - रजनी परुळेकर

ब) धुळीचा आवाज - कविता महाजन

संदर्भग्रंथ -

१. स्त्री साहित्याचा मागोवा : खंड १, २ व ३ - संपादित (भारती विद्यापीठ अभिमत
विश्वविद्यालय व साहित्यप्रेमी भगिनी मंडळ)
२. स्त्रीवादी समीक्षा : स्वरूप आणि उपयोजन - अश्विनी धोंगडे
३. १९६० नंतरची सामाजिक परिस्थिती व साहित्यातील नवे प्रवाह - आनंद यादव
४. आधुनिक मराठी कवयित्रीची कविता - रा. ग. जाधव
५. मराठी लेखिका : चिंता आणि चिंतन - भालचंद्र फडके
६. स्त्रीवाद - संपा. सुमती लांडे



एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३-२०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र तिसरे

Elective Paper - 4 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ४

Paper Code : MAR 218 - नवे वाङ्मयप्रवाह - मराठी विज्ञानसाहित्य

घटक - १ विज्ञानसाहित्य : संकल्पना , स्वरूप, उगम, विकास व वैशिष्ट्ये

विज्ञानसाहित्य आणि ललित साहित्य यातील साम्यभेद

विज्ञानसाहित्याची परिभाषा आणि ललित्य

विज्ञानसाहित्य : कलाकृतीचे रचनातंत्र

मराठी विज्ञानसाहित्यातील कथा व कादंबरीचे स्वरूप

स्वातंत्र्योत्तर वैज्ञानिक प्रगती आणि मराठी साहित्य

घटक - २ मराठी विज्ञानसाहित्याच्या प्रेरणा

विज्ञान, वैज्ञानिक दृष्टिकोन आणि विज्ञानसाहित्य

जागतिक विज्ञानसाहित्य आणि मराठी विज्ञान साहित्य : आंतरसंबंध

विज्ञानयुग, संगणकयुग आणि साहित्य

मराठी विज्ञानसाहित्यातील विषयाची विविधता

विज्ञानसाहित्य : समाजधारणेवरील परिणाम

घटक ३- अभ्यासग्रंथ

अ) अभयारण्य (कादंबरी) - जयंत नारळीकर

ब) ब्रेनवेव्हज - माधुरी शानभाग

घटक ४- अभ्यासग्रंथ

अ) डिंबक (कथासंग्रह) - संजय ढोले

ब) आकाशभाकिते - सुबोध जावडेकर

संदर्भग्रंथ -

१. मराठी विज्ञान साहित्याचा इतिहास

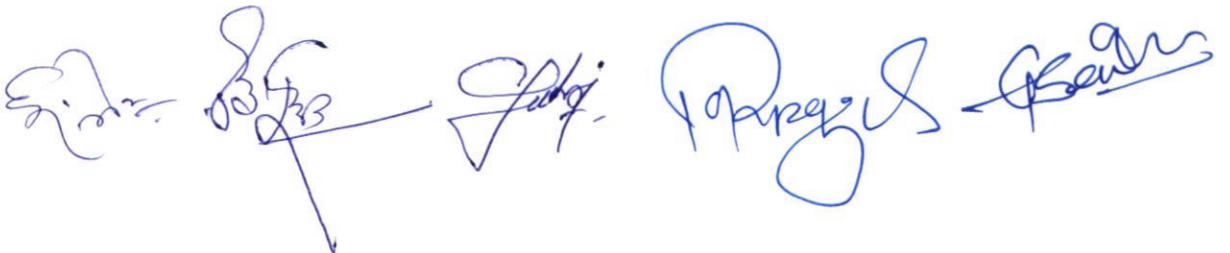
- जयंत श्रीधर एरंडे

२. मराठी विज्ञान साहित्य

- संपा. प्रा. म. सु. पगारे



३. विज्ञान साहित्य आणि संकल्पना

- निरंजन घाटे



४. मराठी साहित्यातील नवे प्रवाह — संपा. शरणकुमार लिंबाळे
५. मराठी विश्वकोश खंड — १६ — महाराष्ट्र राज्य संस्कृती मंडळ
६. विज्ञानाचा समाजधारणेवरील परिणाम — बर्टाल रसेल (अनुवाद — कमलाकर दिक्षित)
७. ललित — एप्रिल २००७, डिसे. २००६, १९८८
८. आमची श्रीवाणी — जुन १९९३, ऑक्टो. २००४, जाने. २००५
९. दैनिक लोकसत्ता — दिनांक २९ एप्रिल २००७
१०. महाराष्ट्र साहित्यपत्रिका ऑक्टो.—नोव्हें.—डिसे. २००६
११. मराठी विज्ञान साहित्य : संशोधन आणि समीक्षा — फुला बागुल
१२. विज्ञान साहित्य विश्व — निरंजन घाटे
१३. मराठी विज्ञान साहित्य शोध आणि बोध — संपा. सुदर्शन दिवसे
१४. प्रतिष्ठान : विज्ञान साहित्य विशेषांक एप्रिल २००५

एम. ए. भाग - २ सत्र चौथे

शैक्षणिक सत्र : २०२३-२०२४ पाश्चिम पुणे

Core Paper - 1 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 219 - वाङ्मयप्रकार - नाटक

घटक - १ नाटक : संकल्पना, स्वरूप, उगम, विकास आणि वैशिष्ट्ये

नाट्यवाङ्मयाचे प्रमुख प्रकार

नाटकातील सुखात्मिका व शोकात्मिका

नाटक या वाङ्मयप्रकाराचे घटक

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

अ) एकच प्याला - राम गणेश गडकरी

ब) टिळक आणि आगरकर - विश्राम बेडेकर

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

अ) वीज म्हणाली धरतीला - वि. वा. शिरवाडकर

ब) वादळ माणसाळतंय - वसंत कानेटकर

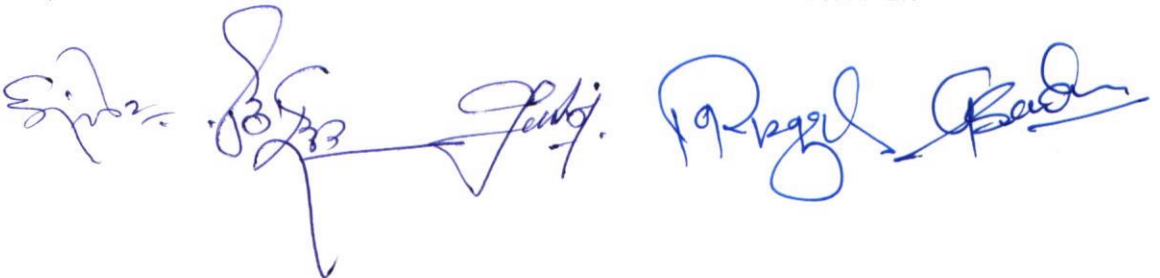
घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

अ) आत्महत्या - सदानंद बोरकर

ब) मावा नाटे माटे सरकार - श्रीपाद प्रभाकर जोशी

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|---|------------------------|
| १. नाटक : एक चिंतन | - वसंत कानेटकर |
| २. नाट्यस्वगत : स्वरूप आणि समीक्षा | - शकुंतला खोत |
| ३. प्रयोगक्षम मराठी नाटके | - संपा. मु.श्री. कानडे |
| ४. मराठी नाटक आणि रंगभूमी : पहिले शतक १८४३-१९४३ | - वि. भा. देशपांडे |
| ५. मराठी नाट्यलेखनतंत्राची वाटचाल | - अरविंद कुळकर्णी |
| ६. नाट्यसमीक्षेचा विकास | - चंद्रकांत धाडे |
| ७. मराठीचे नाट्यतंत्र | - मो. द. ब्रम्हे |
| ८. शोकाट्याचे साहित्यरूप | - डॉ. स.दा. कन्हाडे |
| ९. शोकातिकेचा उदय | - विलास खोले |



१०. सुखात्मिकेचे स्वरूप

— गोकाकर व दुंडगेकर

११. मराठी नाट्यपद : स्वरूप आणि समीक्षा

— अ. द. वेलणकर

१२. कानेटकरांची नाट्यसृष्टी

— राजन जयस्वाल

१३. नाट्यदर्शन

— सुनिल सुभेदार

१४. झाडीपट्ट रंगभूमीचे प्रकाशरंग

— संपा. नरेन्द्र आरेकर

१५. समकालीन मराठी रंगभूमी

— संपा. राजेन्द्र नाईकवाडे, राजन जयस्वाल

संपा. राजेन्द्र नाईकवाडे, राजन जयस्वाल

संपा. नरेन्द्र आरेकर

एम. ए. भाग - २ सत्र चौथे

शैक्षणिक सत्र : २०२३-२०२४ पासून पुढे

Core Paper - 2 आवश्यक अभ्यासपत्रिका - २

Paper Code : MAR 220 - संशोधनशास्त्र

घटक - १ संशोधन : संकल्पना, संशोधनाच्या प्रेरणा व प्रयोजन

वैज्ञानिक संशोधन, सामाजिक संशोधन, वाङ्मयीन संशोधन, ऐतिहासिक संशोधन,
लोकसाहित्याचे संशोधन, पुरातत्वीय संशोधन

घटक - २ संशोधन क्षेत्रातील परस्परसंबंध

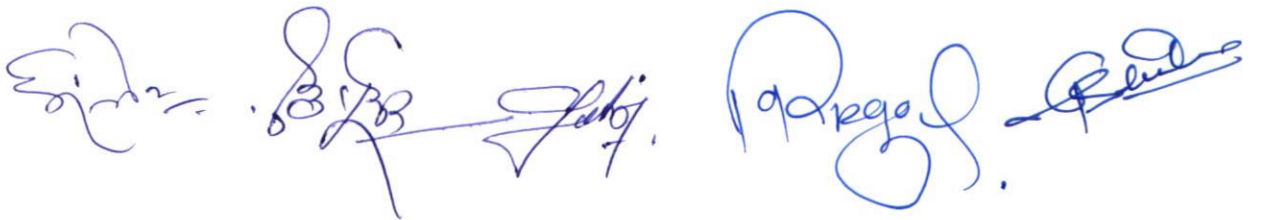
संशोधन प्रक्रियेचे विविध टप्पे
संशोधन आणि साहित्य: आंतरसंबंध
संशोधन विषयाचे प्रास्ताविक
संशोधन विषयाचे उद्दिष्टे
संशोधनाचे महत्व

घटक - ३ भाषिक आणि वाङ्मयीन संशोधनाचा पूर्वाभ्यास

संशोधनाची व्याप्ती
संशोधनाची मर्यादा
संशोधन विषयाची निवडपद्धती
संशोधनाची सामग्री व साधने

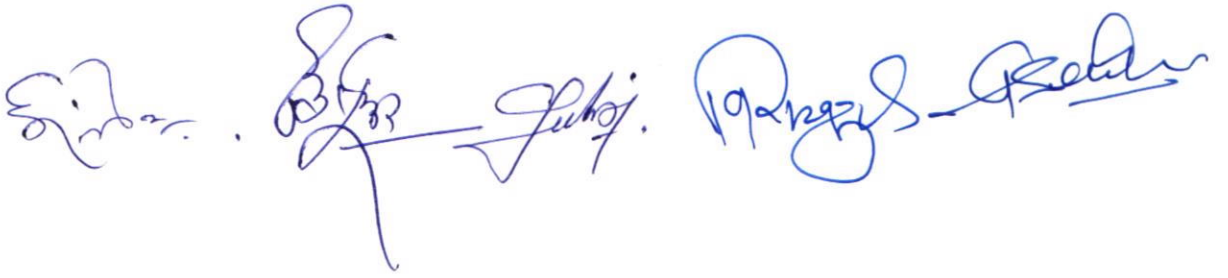
घटक - ४ संशोधनाचे गृहितक

संशोधनपद्धतीचे प्रकार
संशोधनाची विविध अभ्यासक्षेत्रे
साहित्यकृतीनिष्ठ संशोधन
लोकनिष्ठ संशोधन
कालखंडातील संशोधन
बोलीभाषेचे संशोधन
भाषाशैलीचे संशोधन



संदर्भग्रंथ —

- | | |
|--|---|
| १. शोधविज्ञानकोश | — दु. का. संत |
| २. वाङ्मयीन संज्ञा संकल्पना कोश | — संपा. वसंत आबाजी डहाके व इतर |
| ३. सामाजिक संशोधनपद्धती | — पु. ल. भांडारकर |
| ४. मराठी साहित्यसंशोधन : स्वरूप आणि दिशा | — श. रा. राणे |
| ५. शोधनिबंधाची लेखनपद्धती | — स. ग. मालशे |
| ६. प्रबंध कसा लिहावा? | — जयंत वेलणकर |
| ७. सामाजिक शास्त्रांची संशोधन प्रणाली | — विजय जरारे |
| ८. संशोधनपद्धती : प्रक्रिया व अंतरंग | — दु. का. संत |
| ९. वाङ्मयीन विद्वत्ता | — दु. का. संत |
| १०. भाषा व साहित्यसंशोधन खंड — १, २ व ३ | — संपा. वसंत जोशी, गं. ना. जोगळेकर, म.ना. अदवंत |
| ११. मराठी संशोधन विद्या | — उपा देशमुख |
| १२. साहित्यशोधणी | — उपा देशमुख |
| १३. संशोधन : स्वरूप आणि पद्धती | — संपा. सु. रा. चुनेकर आणि इतर |
| १४. मराठी प्रबंधसूची | — व. वि. कुळकर्णी |
| १५. संशोधन : सिद्धांत आणि पद्धती | — सदा कन्हाडे |
| १६. साहित्य संशोधन : वाटा आणि वळणे | — सुधाकर शेलार |



एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३-२०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र चौथे

Elective Paper - 1 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - १

Paper Code : MAR 221 - प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास : (आरंभापासून १८१८ पर्यंत)

घटक - १ वाङ्मयेतिहास : संकल्पना , स्वरूप आणि विविध पद्धती

प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी साहित्य : प्रेरणा व स्वरूप

प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी साहित्याचा सांस्कृतिक, सामाजिक, राजकीय

व धार्मिक पार्श्वभूमीचा साहित्यावरील परिणाम

घटक - २ प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी साहित्यातील विविध संप्रदाय :

नाथ संप्रदाय

वारकरी संप्रदाय

महानुभाव संप्रदाय

दत्त संप्रदाय

समर्थ संप्रदाय

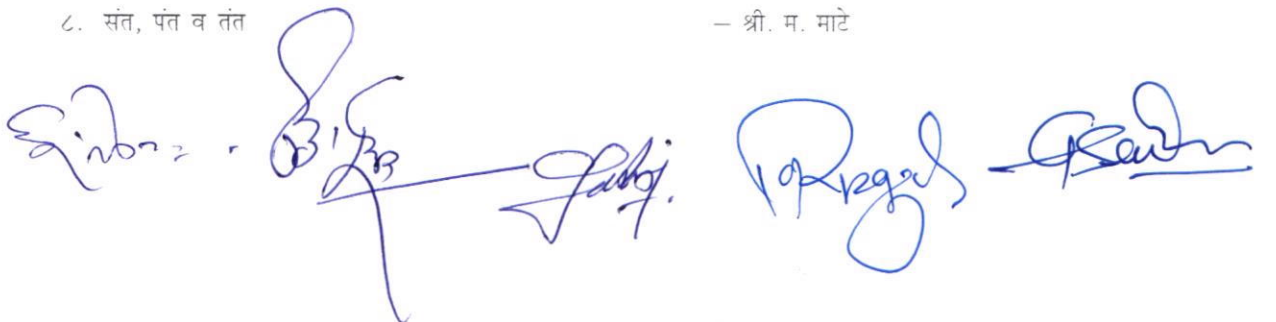
घटक - ३ प्राचीन इतर धर्मीय साहित्य

प्राचीन व मध्ययुगीन मुस्लिम साहित्य, ख्रिस्ती साहित्य, जैन साहित्य, पेशवाईची अखेर

घटक - ४ पंडिती साहित्य, बखर वाङ्मय, शाहिरी वाङ्मय - अ) लावणी ब) पोवाडा, प्राचीन कालखंडाचे समालोचन

संदर्भग्रंथ -

- | | |
|--|---------------------|
| १. महाराष्ट्रातील पाच संप्रदाय | - पं. रा. मोकाशी |
| २. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास | - ल. रा. नसिराबादकर |
| ३. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा विवेचक इतिहास | - प्र. न. जोशी |
| ४. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप | - ह. श्री. शेणोलीकर |
| ५. संत वाङ्मयाची सामाजिक फलश्रुती | - गं. बा. सरदार |
| ६. आनंदाचे डोह | - रा. ग. जाधव |
| ७. पाच भक्तिसंप्रदाय | - र. रा. गोसावी |
| ८. संत, पंत व तंत | - श्री. म. माटे |



- | | |
|---|--|
| ९. तुकाराम | — भालचंद्र नेमाडे |
| १०. युगपुरूष तुकाराम | — किशोर सानप |
| ११. समग्र तुकाराम दर्शन | — किशोर सानप |
| १२. पुन्हा तुकाराम | — दिलीप पुरूषोत्तम चित्रे |
| १३. तुकाराम व्यक्तित्व आणि कवित्व | — किशोर सानप, मनोज तायडे |
| १४. संतकवी तुकाराम | — निर्मलकुमार फडकुले |
| १५. तुकाराम दर्शन | — गं. वा. सरदार |
| १६. महाराष्ट्रीय संत मंडळाचे ऐतिहासिक कार्य | — वा. र. सुंठनकर |
| १७. युगप्रवर्तक संत : तुकाराम आणि रामदास | — संपा. शरयु तायवाडे, राजेन्द्र वाटाणे, कोमल ठाकरे |
| १८. तुकाराम आणि रामदास | — राम घोडे |
| १९. मराठी कविता : जुनी आणि नवी | — वा. ल. कुळकर्णी |
| २०. ओवी ते लावणी | — श्री. रं. कुळकर्णी |
| २१. एकनाथ दर्शन | — गं. वा. सरदार |
| २२. मध्ययुगीन मराठी साहित्य: एक पुनर्विचार | — श्री. रं. कुळकर्णी |
| २३. मराठी आख्यान कविता | — गं. व. ग्रमोपाध्ये |
| २४. प्राचीन मराठी जैन साहित्य | — सुभाषचंद्र अक्कोडे |
| २५. मराठी वीरशैव साहित्य | — सुधाकर मोगलेवार |
| २६. नागेश संप्रदाय | — यु. म. पठाण |

मि. रं. कुळकर्णी

मि. रं. कुळकर्णी

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३-२०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र चौथे

Elective Paper - 4 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ४

Paper Code : MAR 222 - अर्वाचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (१८१९ ते २०२०)

घटक - १ अर्वाचीन : संकल्पना व स्वरूप

अर्वाचीन वाङ्मयेतिहास लेखन : संकल्पना व स्वरूप

मराठी वाङ्मयाचा अव्वल इंग्रजी कालखंड (१८१८ ते १८८५) - वाङ्मयीन स्थिती

अव्वल इंग्रजी काळातील अनुवादित वाङ्मय

घटक - २ अव्वल इंग्रजी काळातील राजकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिती व प्रबोधन प्रक्रियेचा समकालीन वाङ्मयविश्वाशी असणारा आंतरसंबंध

अर्वाचीन मराठी वाङ्मयाचा आरंभकाळ (१८८५ ते १९२०) : कालखंडातील निबंध, कविता, कथा, कादंबरी, नाटक, चरित्र-आत्मचरित्र, प्रवासवर्णन विनोदी साहित्य इत्यादी वाङ्मयप्रकारांचा इतिहास

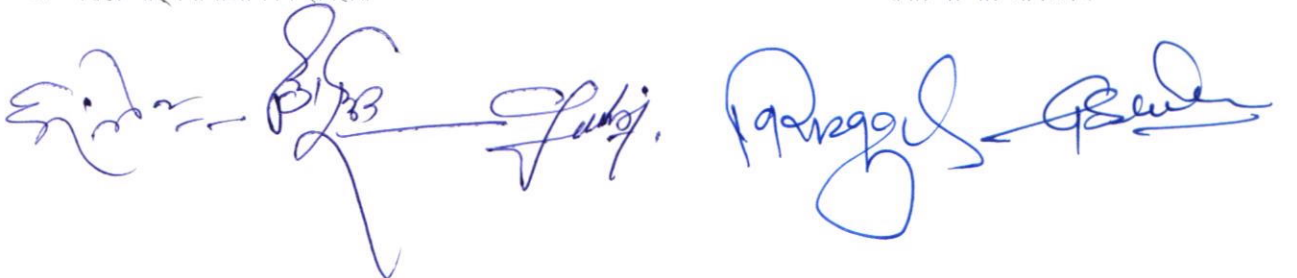
घटक - ३ अर्वाचीन मराठी वाङ्मयाचा उत्तरार्ध (१९२० ते १९४५) : कालखंडातील निबंध, कविता, कथा, कादंबरी, नाटक, चरित्र-आत्मचरित्र, प्रवासवर्णन विनोदी साहित्य इत्यादी वाङ्मयप्रकारांचा इतिहास

घटक - ४ महायुद्धोत्तर मराठी साहित्य (१९४५ ते २०००) : महायुद्धोत्तर राजकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिती व समकालीन वाङ्मयविश्वाशी असणारा आंतरसंबंध

एकविसाव्या शतकातील मराठी साहित्य (२००१ ते २०२०) : राजकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिती व समकालीन वाङ्मयविश्वाशी असणारा आंतरसंबंध (कविता, कथा, कादंबरी, नाटक, चरित्र-आत्मचरित्र, प्रवासवर्णन विनोदी साहित्य इत्यादी वाङ्मयप्रकारांचा इतिहास)

संदर्भग्रंथ -

१. अर्वाचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड १, २ - अ. ना. देशपांडे
२. आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड ४, ५, ६: महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
३. प्रदक्षिणा खंड १, २ - संपा. अनिरुद्ध कुलकर्णी
४. मराठी वाङ्मयाचा विवेचक इतिहास - प्र. न. जोश
५. मराठी कविता स्वरूप आणि विवेचन - निशिकांत ठकार
६. अर्वाचीन मराठी काव्यदर्शन - अक्षयकुमार काळे
७. मराठी वाङ्मयाचा अभिनव इतिहास - संपा. गं. ना. जोगळेकर



- | | |
|--|-------------------------|
| ८. स्वातंत्र्योत्तर मराठी कविता | — संपा. सुषमा करोगल |
| ९. वाङ्मयेतिहासाची संकल्पना | — संपा. द. दी. पुंडे |
| १०. अर्वाचीन मराठीवाङ्मय सेवक: भाग १ ते ७ | — संपा. गं. दे. खानोलकर |
| ११. अर्वाचीन मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी | — सदा कन्हाडे |
| १२. मराठी साहित्य इतिहास आणि संस्कृती | — वसंत आबाजी डहाके |
| १३. मराठी वृत्तपत्राचा इतिहास | — रा. के. लेले |
| १४. मराठी कादंबरी पहिले शतक | — कुसूमावती देशपांडे |
| १५. मराठी कथा उद्गम आणि विकास | — इंदुमती शेवडे |
| १६. मराठी नाटक आणि रंगभूमी पहिले शतक: (१८४३ ते १९४३) | — वि. भा. देशपांडे |
| १७. समीक्षेतील नव्या संकल्पना | — संपा. मनोहर जाधव |
| १८. नवसमीक्षा: काही विचारप्रवाह | — संपा. गो. म. कुलकर्णी |

सिद्धि. ०३/३३

पिण्डी

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३-२०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र चौथे

Elective Paper - 3 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ३

Paper Code: MAR 223 - विशेष ग्रंथकार : संत तुकाराम

अभ्यासग्रंथ: संत तुकाराम महाराजांची अभंग गाथा: (महाराष्ट्र शासन प्रत)

घटक - १ संत तुकाराम कालीन महाराष्ट्रातील सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक व राजकीय स्थिती

घटक - २ संत तुकाराम महाराजांचे संतपर अभंग, कीर्तनपर अभंग, नामपर अभंग, अद्वैतपर अभंग,

घटक - ३ प्रासंगिक अभंग, एकविध अभंग, भेटीचे अभंग, देवाशी सलगीचे अभंग,

घटक - ४ शिवाजी महाराजांना केलेला उपदेश, अंधश्रद्धा विषयक अभंग, संत तुकाराम महाराजांचे सामाजिक अभंग

संदर्भग्रंथ -

१. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप - ह. श्री. शेणोलीकर
२. संत वाङ्मयाची सामाजिक फलश्रुती - गं. वा. सरदार
३. आनंदाचे डोह - रा. ग. जाधव
४. पाच भक्तिसंप्रदाय - र. रा. गोसावी
५. संत, पंत व तंत - श्री. म. माटे
६. तुकाराम - भालचंद्र नेमाडे
७. युगपुरूष तुकाराम - किशोर सानप
८. समग्र तुकाराम दर्शन - किशोर सानप
९. पुन्हा तुकाराम - दिलीप पुरूषोत्तम चित्रे
१०. तुकाराम व्यक्तित्व आणि कवित्व - किशोर सानप, मनोज तायडे
११. संतकवी तुकाराम - निर्मलकुमार फडकुले
१२. तुकाराम दर्शन - गं. वा. सरदार
१३. महाराष्ट्रीय संत मंडळाचे ऐतिहासिक कार्य - वा. र. सुंठनकर
१४. युगप्रवर्तक संत: तुकाराम आणि रामदास - संपा. शरयु तायवाडे, राजेन्द्र वाटाणे, कोमल ठाकरे
१५. तुकाराम आणि रामदास - राम घोडे
१६. आंतीदर्शि तुकाराम - संतोष देठ
१७. संत तुकाराम : अंधश्रद्धा, विचारवाचिंतन - संतोष देठ

दिनांक: १०/११/२३

१०/११/२३

१०/११/२३

१०/११/२३

१०/११/२३

एम. ए. मराठी पदव्युत्तर अभ्यासक्रम

शैक्षणिक सत्र : २०२३-२०२४ पासून पुढे

एम. ए. भाग - २ सत्र चौथे

Elective Paper - 4 ऐच्छिक अभ्यासपत्रिका - ४

Paper Code : MAR 224 - विशेष ग्रंथकार : राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज

घटक - १ राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज यांचे जीवन आणि कार्य

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज कालीन सामाजिक , राजकीय, सांस्कृतिक व धार्मिक परिस्थितीचे वर्णन

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज यांचे राष्ट्रवांघणीत योगदान

घटक - २ अभ्यासग्रंथ

ग्रामगीता : अध्याय १ ते १४

घटक - ३ अभ्यासग्रंथ

ग्रामगीता : अध्याय १५ ते २४

घटक - ४ अभ्यासग्रंथ

ग्रामगीता : अध्याय २५ ते ४१

संदर्भग्रंथ -

१. राष्ट्रसंतांचे जीवनदर्शन - सुदाम सावरकर
२. राष्ट्रसंत आणि स्वातंत्र्याची चळवळ - डॉ. भाऊ मांडवकर
३. राष्ट्रसंत तुकडोजी : समग्र साहित्य - कुमुदिनी खोरगडे
४. मानवतेचे महापुजारी : राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज - प्रा. रघुनाथ कडवे
५. बंडखोर खेड्यांची गोष्ट - रमेश गुप्ता, रामकृष्ण गंजीवाले
६. सार्वभौम ग्रामसभा - संकलक : तुकारामदादा गीताचार्य
७. राष्ट्रसंत : वैचारिक क्रांती - डॉ. बाळ पदवाड
८. राष्ट्रसंतांच्या जीवनप्रवाहातील ग्रामनवनिर्माणतून राष्ट्रीय एकात्मता - डॉ. रा. शं. ठोसर
९. राष्ट्रसंत आणि ग्रामगीता - डॉ. सुदाम सावरकर
१०. ग्रामगीतारहस्य स्पंद - १ - डॉ. सुदाम सावरकर
११. ग्रामगीतारहस्य स्पंद - २ - डॉ. सुदाम सावरकर
१२. ग्रामगीतारहस्य स्पंद - ३ - डॉ. सुदाम सावरकर



१३. राष्ट्रसंत तुकडोजी : जीवन व कार्य
१४. राष्ट्रसंत स्त्रीदर्शन
१५. राष्ट्रसंतांची जनचेतना
१६. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज : जीवनदर्शन

- संपा. डॉ. सुदाम सावरकर
— डॉ. नमिता शेंदरे
— ज्ञानेश्वर रक्षक
— डॉ. जुल्फी शेख

म. प्र. - डॉ. सुदाम सावरकर
डॉ. नमिता शेंदरे
डॉ. ज्ञानेश्वर रक्षक
डॉ. जुल्फी शेख

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

ऐच्छिक निवड श्रेयांक पद्धती (CBCS) पदवी अभ्यासक्रम

एम. ए. भाग - १ व २ सत्र पहिले ते चौथे

शैक्षणिक सत्र : २०२२-२०२३ व २०२३-२०२४ व पुढे

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुण विभागणी

सत्र १ ते ४ चे आवश्यक पेपर व वैकल्पिक पेपर

Paper Code MAR 201 To 224 करिता

एकूण गुण - १०० वेळ : ०३ तास (गुण विभागणी ८० + २०) श्रेयांक - ०४

लेखी परीक्षा ८० गुण विभागणी खालीलप्रमाणे

प्रश्न ०१ - दीर्घोत्तरी प्रश्न - अभ्यासघटक - ०१ वर आधारित गुण १५

किंवा

दीर्घोत्तरी प्रश्न - अभ्यासघटक - ०१ वर आधारित

प्रश्न ०२ - दीर्घोत्तरी प्रश्न - अभ्यासघटक - ०२ वर आधारित गुण १५

किंवा

दीर्घोत्तरी प्रश्न - अभ्यासघटक - ०२ वर आधारित

प्रश्न ०३ - दीर्घोत्तरी प्रश्न - अभ्यासघटक - ०३ वर आधारित गुण १५

किंवा

दीर्घोत्तरी प्रश्न - अभ्यासघटक - ०३ वर आधारित

प्रश्न ०४ - दीर्घोत्तरी प्रश्न - अभ्यासघटक - ०४ वर आधारित गुण १५

किंवा

दीर्घोत्तरी प्रश्न - अभ्यासघटक - ०४ वर आधारित

प्रश्न ०५ - लघुत्तरी प्रश्न - घटक ०२ ते ०४ वर आधारित गुण २०

टीपा लिहा (चार पैकी कोणत्याही दोन)

अंतर्गत मूल्यमापन गुण २०

वर्गातील उपस्थिती - ०५

स्वाध्याय - १५ (प्रत्येक घटकावर एक)

संदर्भसूची

वाङ्मयीन नियतकालिके

१. युगवाणी विदर्भ साहित्य संघ — नागपूर
२. भाषा आणि जीवन — पुणे
३. अस्मितादर्श — औरंगाबाद
४. प्रतिष्ठान — औरंगाबाद
५. कवितारती — धुळे
६. ललित — मुंबई
७. मुक्तशब्द — मुंबई
८. अक्षरगाथा — नांदेड
९. तिफण — औरंगाबाद
१०. मुरळी — गारगोटी
११. चरक — पुणे
१२. साधना — पुणे
१३. साहित्य प्रबोधन पत्रिका — पुणे
१४. समाज प्रबोधन पत्रिका —
१५. नवभारत — वाई सातारा
१६. अक्षर वाङ्मय — लोहा
१७. श्रीवाणी — धुळे
१८. अक्षरपेरणी — पुणे
१९. आपले वाङ्मय वृत्त — मुंबई

